सत्यमेव जयते

हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम-2021

(दिनांक 14 सितंबर से 28 सितंबर 2021)

मानकीकरण निदेशालय रक्षा मन्त्रालय

भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय

मानकीकरण निदेशालय

नई दिल्ली-110001

हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम 2021

01. **<u>हिंदी दिवस का महत्व</u>**

भाषा वह साधन है जिसके माध्यम से प्रत्येक प्राणी अपने विचार दूसरों को अभिव्यक्त करता है। भाषा को संस्कृति का दर्पण माना जाता है। प्रायः किसी देश की भाषा और संस्कृति का विकास परस्पर एक-दूसरे पर निर्भर करता है। संसार में अनेक संस्कृतियां उनकी भाषा के समाप्त होने के साथ ही समाप्त हो गई हैं। वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विश्व में कुल 6809 भाषाएं है जिनमें सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में हिंदी तीसरे स्थान पर आती है और विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली छठी भाषा भी बंगाली है।

प्रत्येक हिंदुस्तानी इस पंक्ति को बड़े उत्साह से गाता है-

'हिंदी है हम, वतन है हिंदुस्तान हमारा'

यह पंक्ति प्रत्येक हिंदुस्तानी के लिए विशेष महत्व रखती है। प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर का दिन भारत में हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी भाषा को भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया था। लेकिन तत्कालीन परिस्थितियों और राजनैतिक इच्छा शक्तियों के अभाव में हिंदी को वह स्थान प्राप्त नहीं हो सका जो उसे मिलना चाहिए था। परिणामस्वरूप अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल दिनों-दिन बढ़ता गया। ऐसा इसलिए क्योंकि अंग्रेजी एक ऐसा माध्यम है जिसका विश्व स्तर पर सबसे ज्यादा उपयोग किया जाता है। यही कारण है कि अधिकतर लोग अंग्रेजी सीखते हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा को बोलने या सीखने में संकोच करें। प्रायः लोगों को इसमें शर्म आती है कि उन्हें अंग्रेजी नहीं आती, लेकिन उन्हें यह बताने में कतई संकोच नहीं होता कि उनकी मातृभाषा में पकड़ कमजोर है। अगर हम ऐसा करेंगे तो यह विलुप्त होने की कगार पर पहुंच जाएगी। भारतीय भाषाओं की समाप्ति के साथ भारतीय पुरातन संस्कृति भी खत्म होने के कगार पर आ सकती है।

आज विश्व में ऐसे देश भी है जो अपने देश में केवल अपनी राष्ट्रभाषा में ही काम को महत्व देते हैं। रूस, चीन, जापान ऐसे ही उदाहरण हैं। यही वजह है कि इनकी भाषा लगातार उन्नत होती जा रही है। क्या ऐसा हमारे देश में संभव नही हैं? बिल्कुल संभव है लेकिन इसके लिए हम सभी को सोचना होगा और इस दिशा में प्रयास करना होगा। हमें स्व के प्रति सम्मान का भाव लाना होगा। तभी हिंदी को राजभाषा से राष्ट्रभाषा, राष्ट्रभाषा से विश्वभाषा के पटल पर ले जाया जा सकता है। इस दिशा में विश्व हिंदी दिवस प्रतिवर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य विश्व भर में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए वातावरण निर्मित करना और हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। विदेशों में भारत के दूतावास इस दिन को विशेष रूप से मनाते है। दुनियाभर में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए पहला विश्व हिंदी सम्मेलन 10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित किया गया था। इसलिए इस दिन को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस सम्मेलन में विश्व के 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

राजभाषा सरकार व जनसाधारण के बीच संवाद प्रेषण का माध्यम है। अतः यह आवश्यक है कि प्रशासकीय कार्य में उपयोग की जाने वाली हिंदी सरल, सहज तथापि संस्कारयुक्त एवं मान्य नियमों के अनुकूल होनी चाहिए। इसलिए इसमें विद्वता प्रदर्शन के लिए कोई गुंजाइश नहीं होती है। ऐसी हिंदी को प्रशासनिक या कार्यालयीन हिंदी कहा जाता है। कार्यालयीन हिंदी में तथ्यों पर अधिक बल दिया जाता है। इसकी शब्दावली प्रायः निर्धारित व अभिधापरक होती है।

राजभाषा नियमों के संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन तथा इसके विकास एवं संवर्धन में सदैव प्रतिभागी रहते हुए मानकीकरण निदेशालय, रक्षा मंत्रालय में भी हिंदी दिवस को मनाने की अत्यंत गौरवशाली परम्परा रही है तथा इसका निर्वहन प्रत्येक वर्ष स्वतः स्फुर्त भावना से हिंदी पखवाड़े के आयोजन के साथ किया जाता रहा है।

हिंदी पखवाड़ा - 2021

गृह मंत्रालय, भारत सरकार, राजभाषा विभाग के पत्र सं. 11034/07/2021 - रा. भा. (नीति) दिनांक 10 अगस्त, 2021 के अनुसार भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु मानकीकरण निदेशालय, रक्षा मंत्रालय में हिंदी पखवाड़ा-2021 का आयोजन किया गया। यह पखवाड़ा कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए 14 सितंबर से 28 सितंबर 2021 तक मनाया गया।

इस पखवाड़े के दौरान हिंदी दिवस व उद्घाटन समारोह सहित 06 प्रतियोगिताओं का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः-

हिंदी दिवस/उद्घाटन समारोह

मानकीकरण निदेशालय में कमोडोर गोपाल आर वाणी की अध्यक्षता में सुंदर सकारात्मक माहौल में दिनांक 14 सितंबर 2021 को हिंदी दिवस/उद्घाटन समारोह का आयोजन हुआ। उद्घाटन समारोह का संचालन हिंदी अनुभाग की सहायक निदेशक (राजभाषा) श्रीमती अनीता सिंह द्वारा किया। श्रीमती अनीता सिंह, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने सर्वप्रथम समारोह में उपस्थित सभी श्रोताओं का अभिवादन किया। समारोह का आरंभ कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री शशि रंजन द्वारा अध्यक्ष महोदय को पौधा भेंट किए जाने से हुआ।

संचालिका महोदया द्वारा समारोह की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए अध्यक्ष महोदय से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर तथा पखवाड़े के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करने का अनुरोध किया गया।

माननीय रक्षा मंत्री जी का हिंदी दिवस संदेश का पठन

सर्वप्रथम, अध्यक्ष महोदय द्वारा माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी के हिंदी दिवस संदेश को सभा के सम्मुख अक्षरशः पढ़ा गया तथा संदेश के निहितार्थों पर अमल करने का आग्रह उपस्थित सभी कार्मिकों से किया गया।

राजनाथ सिंह
RAJNATH SINGH

सत्यमेव जयते

रक्षा मंत्री
भारत
DEFENCE MINISTER
INDIA

संदेश

जैसा कि विदित है, हमारे संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया। तब से प्रतिवर्ष 14 सितंबर का दिन 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त, 2021 को आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव पूरे देश में जन-भागीदारी के माध्यम से मनाया जा रहा है। यह महोत्सव भारत सरकार द्वारा मनाए जाने वाले कार्यक्रमों की एक श्रृंखला है जो कि दिनांक 12 मार्च, 2021 से प्रारम्भ हो चुकी है और 15 अगस्त, 2023 तक अलग-अलग कार्यक्रमों और समारोहों के माध्यम से पूरे देश में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर हिंदी दिवस का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

भारत विविधताओं वाला देश है। हमारे देश में अनेक भाषाएं बोली जाती हैं। तथापि, अपनी सरलता, सुबोधता और पहुंच के कारण हिंदी ने भारत की राजभाषा बनने का गौरव प्राप्त किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और इसके बाद हिंदी ने हमारे राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोया है तथा विविधता में एकता की भावना को मजबूत बनाए रखा है।

हिंदी भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। आत्मनिर्भर भारत को लेकर सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं और कार्यक्रमों के लाभों के बारे में जनता को उनकी भाषा में अधिक प्रभावी ढंग से जानकारी दी जा सकती है।

मुझे यह जानकर हर्ष हो रहा है कि इस वर्ष भी रक्षा मंत्रालय, सैन्य कार्य विभाग एवं अन्य सभी रक्षा अंतर-सेवा संगठनों में हिंदी पखवाड़े का आयोजन मानक दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए किया जा रहा है। मैं, रक्षा मंत्रालय, सैन्य कार्य विभाग एवं सभी रक्षा अंतर-सेवा संगठनों के देश भर में फैले विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों से अपील करता हूं कि वे अपना अधिक-से-अधिक सरकारी काम-काज राजभाषा हिंदी में करते हुए संवैधानिक अपेक्षा का अनुपालन सुनिश्चित करें।

"जय हिन्द"

(राजनाथ सिंह)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 03, सितम्बर, 2021

तत्पश्चात उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में सर्वप्रथम हिंदी दिवस की शुभकामानएं दी और उन्होंने कहा कि भाषा का जीवन में बहुत महत्व है। विश्व में हर देश की अपनी एक भाषा है। लेकिन भारत अनेक भाषाओं का देश है। हम सभी की अपनी-अपनी मातृभाषाए हैं। लेकिन संविधान सभा में 14 सितंबर 1949 को एकमत होकर हिंदी को ही भारत सरकार की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया क्योंकि वह सरल है और अपने में अनेक भाषाओं को आत्मसात करने की क्षमता रखती है और साथ ही यह जन संपर्क की भाषा भी है। इसलिए प्रतिवर्ष पूरे भारत में 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत में हिंदी भाषा लगभग सभी राज्यों में बोली जाती है और विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो अन्य भारतीय भाषाओं की तुलना में आसान है।

अध्यक्ष महोदय ने बताया कि आजकल वैज्ञानिक भी अपने कार्य राजभाषा में कर रहे हैं। हिंदी को उसका वास्तविक महत्व मिलना अति आवश्यक है। इसके लिए सभी कार्मिकों द्वारा निदेशालय में राजभाषा नीति का पूरी तरह से अनुपालन किया जाए। अध्यक्ष महोदय ने सभी को निर्देश दिया कि हिंदी पखवाड़े के आयोजन के दौरान कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए ही सभी हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। सभी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले ताकि निदेशालय में हिंदी के लिए सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे। साथ ही एस अवसर पर निदेशक महोदय ने सभा में उपस्थित सभी श्रोताओं को गृह-मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी 'राजभाषा प्रतिज्ञा दिलवाई' -

राजभाषा प्रतिज्ञा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 और 351 तथा राजभाषा संकल्प 1968 के आलोक में हम, केंद्र सरकार के कार्मिक यह प्रतिज्ञा करते हैं कि अपने उदाहरणमय नेतृत्व और निरंतर निगरानी से; अपनी प्रतिबद्धता और प्रयासों से; प्रशिक्षण और प्राइज़ से अपने साथियों में राजभाषा प्रेम की ज्योति जलाए रखेगें, उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे; अपने अधीनस्थ के हितों का ध्यान रखते हुए; अपने प्रबंधन को और अधिक कुशल और प्रभावशाली बनाते हुए राजभाषा-हिंदी का प्रयोग, प्रचार और प्रसार बढ़ाएंगे। हम राजभाषा के संवर्द्घन के प्रति सदैव ऊर्जावान और निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

जय राजभाषा! जय हिंद!

राजभाषा प्रतिज्ञा लेते अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण

अंत में निदेशक महोदय ने हिंदी दिवस व हिंदी पखवाड़े के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

<u>पखवाड़ा कार्यक्रम संक्षिप्त विवरणः</u>-

संचालिका महोदया ने निदेशक महोदय को उनकी शुभकामनाओं व प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देते हुए पखवाड़ा आयोजन संबंधी अगामी कार्यक्रम से सभी श्रोताओं का परिचय कराया।

संचालिका महोदया ने बताया कि निदेशालय मे राजभाषा हिंदी की प्रगति में सभी वर्ग के कार्मिकों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए कुल 06 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगाः-

(1) हिंदी टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता- सभी वर्ग के अधिकारी व कर्मचारियों के लिए।

(2) हिंदी टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता- अन्य भाषा-भाषी वर्ग के लिए।

(3) निबंध लेखन प्रतियोगिता- सभी वर्ग के अधिकारी व कर्मचारियों के लिए।

(4) अनुवाद प्रतियोगिता- सभी वर्ग के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए।

(5) काव्य-पाठ प्रतियोगिता- सभी वर्ग के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए।

(6) श्रुतलेखन प्रतियोगिता- बहु-कार्य कर्मचारियों के लिए।

संचालिका महोदया ने बताया कि प्रत्येक प्रतियोगिता में कुल पांच पुरस्कार रखे गए हैं जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कारों के अलावा दो प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जाएंगे जो क्रमशः 3000/-रू., 2000/-रू. 1500/- रू व 2x1000/- होगें।

संचालिका महोदया ने यह भी बताया कि निदेशालय में राजभाषा हिंदी की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली व निदेशालय का मुख्य आकर्षण ई-वार्षिक हिंदी पत्रिका **'रक्षा मानकी दर्पण-2021'** अंक 25 का ई-प्रकाशन किया जाना है जिसमें मानकीकरण **निदेशालय तथा मानकीकरण सेलों से हिंदी** में मौलिक रचनाओं को आमंत्रित किया जाता है। इसी समारोह के दौरान इस पत्रिका का विमोचन किया जाएगा। साथ ही इस पत्रिका की श्रेष्ठ पांच मौलिक रचनाओं को भी हिंदी पखवाड़े की अन्य प्रतियोगिताओं के समान ही पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

संचालिका महोदया, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने बताया कि भारत सरकार की राजभाषा नीति हिंदी को प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ाने की रही है। इसी उद्देश्य के तहत निदेशालय में पूरे वर्ष के दौरान सबसे ज्यादा मूल-पत्राचार हिंदी में करने वाले समूह को **'चल वैजयंती'** प्रदान की जाती है। यह वैजयंती उस समूह द्वारा राजभाषा हिंदी की प्रगति के लिए किए जाने वाले प्रयासों का प्रतीक होती है जो पूरे वर्ष उस समूह में रह कर वहां के कार्मिकों को गोरवांवित करती है। यह 'चल वैजयंती' भी हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान ही दी जाएंगी। इसलिए सभी समूहों से ज्यादा से ज्यादा कार्य हिंदी में करने का अनुरोध किया गया ताकि 'चल वैजयंती' को पाने के लिए रोचक प्रतिस्पर्धा बनी रहे।

धन्यवाद ज्ञापन

हिंदी दिवस/उद्घाटन समारोह के अंतिम चरण में श्रीमती अनीता सिंह, सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। अपने धन्यवाद ज्ञापन में श्रीमती अनीता सिंह ने निदेशक महोदय को उनेक सारगर्भित संबोधन तथा प्रोत्साहन व मार्गदर्शन के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। संचालिक महोदया ने उन सभी सहकर्मियों को धन्यवाद दिया जिन्होंने किसी न किसी रूप में समारोह के सफल अयोजन में अपना प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से योगदान दिया। समारोह में उपस्थित सभी श्रोताओं का भी धन्यवाद किया जिन्होंने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अंत में संचालिका महोदय ने समारोह में उपस्थित सभी साथियों से अपने स्थान पर खड़े होकर राष्ट्रगान के पश्चात जलपान ग्रहण का अनुरोध करते हुए कार्यक्रम को विराम दिया।

हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिताएं - 2021

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु मानकीकरण निदेशालय में हिंदी पखवाड़ा - 2021 का आयोजन किया गया। कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए हिंदी पखवाड़ा 14 सितंबर से 28 सितंबर 2021 तक मनाया गया।

1. नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता

दिनांक 16.9.2021 को हिंदी नोटिंग व ड्रफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को हिंदी-भाषी व अन्य भाषा-भाषियों के लिए अलग-अलग रखा गया ताकि अन्य भाषा-भाषियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इस प्रतियोगिता में कुल 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के प्राप्तांकों के आधार पर प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार हैः-

<u>हिंदी-भाषी विजेताओं के नाम</u>

प्रथम - श्री सुनील कुमार, सहायक अनुभाग अधिकारी, विविध समूह

द्वितीय - हवलदार मांगीलाल, निदेशक सचिवालय

तृतीय - श्री विजय कुमार, वरिष्ठ सचिवालय सहायक, प्रशासन अनुभाग

प्रोत्साहन । - हवलदार सुनील चाहर, प्रशासन अनुभाग

प्रोत्साहन ।। - श्री जयपाल सिंह, सहायक अभियंता (गुणवत्ता आश्वासन)

<u>अन्य भाषा-भाषी विजेताओं के नाम</u>

प्रथम - जेडब्ल्यूओ मनतोष धर, तकनीकी सहायता समूह

द्वितीय - हवलदार सी रंजीत कुमार, तकनीकी सहायता समूह

तृतीय - श्री अन्वेष बाबू मेडिदा, डीईओ 'बी'

प्रोत्साहन । - श्री निशीत सरदार, सहायक अभियंता (गुणवत्ता आश्वासन)

प्रोत्साहन ।। - श्री गोपाल लामा, अनुभाग अधिकारी, प्रशासन अनुभाग

<u>नोटिंग/ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता के प्रतिभागी एवं विजेता</u>

इस प्रतियोगिता में निदेशक महोदय ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ कर सभी का हौंसला बढ़ाया। यह एक यादगार प्रतियोगिता साबित हुई जिसमें पूछे गए प्रश्नों और दिए गए उत्तरों की चर्चा प्रतियोगिता के बाद भी कई दिनों तक कार्यालय में होती रही और इस बात का आग्रह भी हिंदी अनुभाग से किया कि इस तरह के प्रश्न-प्रत्र का अभ्यास हिंदी कार्यशालाओं के दौरान भी कराया जाना चाहिए। इस प्रतियोगिता का संचालन हिंदी अनुभाग द्वारा किया गया।

2. <u>निबंध प्रतियोगिता</u>

दिनांक 20.09.2021 को हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में कुल 05 विषय दिए गए थे जिनमें से किसी एक विषय पर निबंध लिखा जाना थाः-

(i) वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धि (Artificial Intelligence)
(ii) आज़ादी का 75 वां वर्ष
(iii) महिलाएं और सशस्त्र सेनाएं
(iv) नकद-विहिन अर्थव्यवस्था - भारत में उपयोगिता

इस प्रतियोगिता में निदेशालय के सभी समूहों से कुल 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के कार्यक्रम का समन्वय हिंदी अनुभाग द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के दौरान निदेशक महोदय ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर समस्त प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया। उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के प्राप्तांकों के आधार प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार हैः-

प्रथम - श्री मनोज कुमार, आशुलिपिक 'डी', तकनीकी सहायता समूह
द्वितीय - श्री रमेश चन्द्र भाटिया, सहा. अभियंता (गु.आ.), मानकी समूह
तृतीय - श्रीमती रूचि देवी, बहु कार्य कर्मचारी, तकनीकी सहायता समूह
प्रोत्साहन । - श्री अंकित शिवहरे, डीईओ 'बी' सीएंडसी
प्रोत्साहन ।। - सार्जेंट संजय कुमार राय, सीएंडसी

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की रूचि एवं उनके प्राप्तांक सराहनीय रहे।

निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागी एवं विजेता

3. अनुवाद प्रतियोगिता

हिंदी पखवाड़ा-2021 के अंतर्गत दिनांक 22.09.2021 को अनुवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 13 प्रतिभावान अधिकारियों व कर्मचारियों ने पूरी तैयारियों के साथ भाग लिया। यह प्रतियोगिता मूलतः प्रशासन वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में मुख्य उत्साह का संचालक रही। इसमें रोजमर्रा के कार्यों में प्रयोग होने वाले शब्दों, वाक्याशों और विषयों के आधार पर प्रतियोगिता का प्रश्न-प्रत्र तैयार किया गया था। इस प्रतियोगिता के विजेताओं का निर्णय मूल्यांकनकर्ता के प्राप्ताकों के आधार पर किया गया। वरीयता के आधार पर इसके विजेताओं के नाम इस प्रकार हैः-

प्रथम - श्री राजेश रंजन, उप-निदेशक, विविध समूह

द्वितीय - श्री संजय कुमार पुण्डीर, कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी (एस), मानकी समूह

तृतीय - श्री अमित कुमार चौहान, सहा. अनु. अधिकारी, प्रशासन वित्त

प्रोत्साहन । - सुश्री पल्लवी मंगला, बहु-कार्य कर्मचारी, मानकी

प्रोत्साहन ।। - श्री पराग ग्रोवर, सहा. अभियंता (गुण.आश्वा.), मानकी समूह

अनुवाद प्रतियोगिता के प्रतिभागी एवं विजेता

4. <u>हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता</u>

दिनांक 24.09.2021 को हिंदी काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी के प्रति आत्मीयता को प्रागढ़ करने वाली इस प्रतियोगिता में बहुत सारे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभागी/दर्शक/श्रोता के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराके इस कार्यक्रम को सफल बनाया। प्रस्तुत प्रतियोगिता में विंग कमांडर पी. के. सचान, श्री कमल कुमार, उप-निदेशक तथा श्रीमती दलजीत कौर, उप-निदेशक ने मूल्यांकनकर्त्ता के रूप में अपना सराहनीय योगदान दिया।

श्री अनीता सिंह, सहा-निदेशक (रा.भा.) द्वारा इस कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम पर्यंत भावपूर्ण, गरिमापूर्ण वातावरण बना रहा और इस तनाव मुक्त स्थिति में हिंदी सभी के अंतर्मन में स्पर्श करती रही। कार्यक्रम में निदेशक महोदय की उपस्थिति ने सम्पूर्ण वातावरण में जोश व ओज का संचार कर दिया। प्रतियोगिता के अंतिम चरण में मूल्यांकनकर्त्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए जिसमें उन्होंने बताया कि विषय वस्तु, भाषा और प्रस्तुति बहुत सुंदर थी। प्रतिभागियों की अभिव्यक्ति में स्वभाविकता और सरलता थी परंतु मूल्यांकन कार्य काफी कठिन था। मूल्यांकन के आधार पर वरीयता क्रम में निम्नलिखित कार्मिकों को पुरस्कार के लिए चुना गया -

प्रथम - श्री अरविंद कुमार, आशुलिपिक 'डी', प्रशासन वित्त

द्वितीय - सूबेदार उमेश चन्द्र वर्मा, प्रशासन समूह

तृतीय - श्रीकृष्ण सिंह, निजी सचिव, निदेशक सचिवालय

प्रोत्साहन । - श्री सुर्य मोहन झा, सहा. अनुभाग अधिकारी, मानकी समूह

प्रोत्साहन ।। - श्री महेश कुमार जैन, क. तकनीकी अधिकारी, मानकी समूह

<u>हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता के प्रतिभागी एवं विजेता</u>

5. <u>श्रुतलेख प्रतियोगिता</u>

निदेशालय में सभी वर्गों के कार्मिकों की हिंदी की प्रगति में भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बहु-कार्य कर्मचारियों के लिए अलग से श्रुतलेख प्रतियोगिता का दिनांक 29.09.2021 को आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कार्यालय के कुल 07 कार्मिकों ने पूरे उत्साह से भाग लिया। हिंदी के साथ यह सुखद माहौल हिंदी के प्रति हमारे लगाव को और अधिक मजबूत बनाएगा। इस प्रतियोगिता का संचालन हिंदी अनुभाग द्वारा किया गया। मूल्यांकन पर प्राप्तांकों के आधार पर वरीयता क्रम से विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं-

प्रथम - श्री सुबोध कुमार, बहु कार्य कर्मचारी, साइबर सुरक्षा समूह
द्वितीय - श्री पवन कुमार, बहु कार्य कर्मचारी, भंडार अनुभाग
तृतीय - श्री अंकित कुमार सिंह, बहु कार्य कर्मचारी, निदेशक सचिवालय
प्रोत्साहन । - श्री कृष्ण चंद, बहु कार्य कर्मचारी, प्रशासन समूह
प्रोत्साहन ।। - श्री आजाद सिंह, बहु कार्य कर्मचारी, तक. समन्वय समूह

श्रुतलेखन प्रतियोगिता के प्रतिभागी एवं विजेता

5. <u>वार्षिक पत्रिका 'रक्षा मानकी दर्पण' में सर्वश्रेठ रचनाओं के लिए पुरस्कार</u>

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में हिंदी गृह-पत्रिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसी पत्रिकाएं कार्यालय की व्यवस्था में व्यस्थ कार्मिकों को अपने मनोभाव व्यक्त करने का एक मंच प्रदान करती है जिनमें वे अपनी लेखनी के माध्यम से अपने समस्त ज्ञान-विज्ञान, भावों इत्यादि को अभिव्यक्त करते हैं।

मानकीकरण निदेशालय भी अपनी वार्षिक ई-हिंदी पत्रिका 'रक्षा मानकी दर्पण - 2021' के 25वें अंक के माध्यम से अपने कार्यालय के कार्मिकों को अभिव्यक्ति का एक मंच प्रदान करने का प्रयास किया है जिसमें मानकीकरण मुख्यालय एवं अधीनस्थ सेलों से कुल 38 मौलिक रचनाएं प्राप्त हुई।

क्रं.सं	रचना का नाम	रचनाकार का नाम
1.	समय का मूल्य	सीएचएम विवेक मोहन दुबे
2.	अक्षय ऊर्जा स्रोत एवं आवश्यकता	सार्जेन्ट निर्मल कुमार जोशी
3.	मेरी कहानी	मौहम्मद तकी जैदी
4.	सबसे बड़ा पुरस्कार-मेरा भारत महान	संदेश कुमार
5.	अन्नदाता हमारे विधाता	जयराम वर्मा
6.	कोरोना वायरस	सूबेदार वाई. चन्द्र राव
7.	मतवाले मदिरा के	प्रदीप कुमार
8.	आशीर्वाद लेने का वैज्ञानिक कारण?	रोहिदास दगडू डोळस
9.	भगवान की खोज	के. श्री निवासन
10.	जीवन जीना पुण्य का काम	के. श्री निवासन
11.	बेटियाँ	सोनाली माळी
12.	सत्य का महत्व	दिक्षा अक्षय साखरे
13.	जिंदगी	दिक्षा अक्षय साखरे
14.	बड़े घर की बेटी	प्रेमचंद
15.	भारतीय संगीत-एक परिचय	श्रीकुमार सी
16.	प्रकृति से छेड़छाड़ का परिणाम रहस्यमय रोग	हवलदार राम जी यादव
17.	संकल्प	नायक अभिषेक कुमार
18.	सब निःशुल्क है	सूबेदार प्रदीप कुमार
19.	माता-पिता की स्तुति	एल लॉग (एफ एवं ए) भूदेव बी. के प्रजापति
20.	हिंदी का गौरव	एल लॉग (एफ एवं ए) भूदेव बी. के प्रजापति
21.	कोराना तो है एक बहाना	जयराम वर्मा
22.	कोविड जमाना	हवलदार विनसेन्ट
23.	फिर कभी ना आये ऐसी महामारी	रश्मि शर्मा
24.	लहरे तिरंगा कहे, देश के जवानवा से	सूबेदार उमेश चन्द्र वर्मा
25.	बहना ओ बहना, मेरी प्यारी बहना	सूबेदार उमेश चन्द्र वर्मा
26.	हे भोला भण्डारी, सुन लो अरज हमारी	सूबेदार उमेश चन्द्र वर्मा
27.	विकास बन रहा है प्राकृतिक आपदाओं का कारण?	शीना ग्रोवर
28.	हिसाब	हवलदार सी कत्रन
29.	सुकून	कारपोरल दिलशाद
30.	अच्छाई	वारंट ऑफिसर उमाकान्त मोहंती
31.	हिंदी दिवस	नायक रूपेश कुमार
32.	मैं हिंदी हूँ	नायब सूबेदार सतीश चन्द
33.	हिंदी दिवस	नायब सूबेदार सतीश चन्द
34.	शब्दों का संसार	पराग ग्रोवर
35.	हिंदी	पराग ग्रोवर
36.	आजादी का अमृत महोत्सव	श्रीकृष्ण सिंह
37.	सपनों का भारत	रूचि देवी
38.	इतिहास में गुम एक संघर्ष की प्रासंगिकता	दलजीत कौर

मौलिक रचनाकारों को प्रोत्साहित व पुरस्कृत करने के उद्देश्य से प्राप्त रचनाओं का मूल्याकंन श्री कमल कुमार, उप-निदेशक (प्रशा.), श्री श्याम किशोर यादव, उप-निदेशक (भंडार) एवं श्रीमती अनीता सिंह, सहायक निदेशक (रा.भा.) द्वारा किया गया और मूल्याकंन पर प्राप्तांकों के आधार पर श्रेष्ठ 05 रचनाओं को पुरस्कार के लिए चुना गया।

हिंदी पत्रिका के लेखों की पुरस्कार की राशि को पखवाड़े की अन्य प्रतियोगिताओं के समान ही रखा गया है। पत्रिका के पुरस्कृत रचनाकारों के नाम इस प्रकार है-

प्रथम - सार्जेन्ट निर्मल कुमार जोशी, रक्षा मानकीकरण सेल, देहरादून

द्वितीय - श्रीमती दलजीत कौर, तकनीकी सूचना केंद्र

तृतीय - श्री श्रीकुमार सी, रक्षा मानकीकरण सेल, आवड़ी

प्रोत्साहन । - श्रीमती शीना ग्रोवर, सीएंडसी समूह

प्रोत्साहन ।। - हवलदार रामजी यादव, रक्षा मानकीकरण सेल, आवड़ी